ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव हेतु आई.टी.एम. छात्रों का प्रशिक्षण।

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था द्वारा ग्रामीण कृषी कार्य अनुभव हेतु आई.टी.एम. के बी.एस.सी. ऐ. जी. फाईनल के छात्रों का प्रशिक्षण हेतु प्रथम दो दिवस शेक्षणिक प्रशिक्षण वृद्वा आश्रम के सभागार में किया गया। जिसमें रूट चार्ट बनाया गया व 3 ग्रुप बनाये गये। तथा अतिथि विद्ववान सेंट्रल बैंक से श्री द्रुगेन्द्र सिंह जादौन एंव एन.जी.ओ. कांउन्सलर श्री हरिशरन अवस्थि और ग्रामीण कृषि के विद्वान श्री द्वारिका प्रसाद जी द्वारा उदवोदन दिये गये। यह प्रशिक्षण एक अभियान की तरहा चलाया गया जिसमें संस्था द्वारा कैसे विकास हुआ वह बताया गया। तथा रिपोर्ट हेतु फॉरमेट भरवाये गये। जन भागीदारी के लिऐ जागरूकता अभियान दिनांक 20.07. 2017 से 20.08.2017 तक चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संस्था द्वारा बीहड़ किनारे के गॉव पिपरई, पिपरईपुरा, विण्डवा, मसूदपुर, भानपुर, जैतपुर में ग्रामीण युवाओं एंव आई.टी.एम. कॉलेज ग्वालियर के बी.एस.सी. ऐ.जी. के छात्रों ने रैलीयों का आयोजन किया। रैली के बाद में जन सभा की गयीं एंव वृक्षा रोपण किया। सभा मे बड़ता बीहड़ घटती उपजाऊ भूमि के कारण लोग भूमिहीन एंव वेघर होकर पलायन कर रहे हैं उसी को रोकने का प्रयास संस्था का है इसी विषय में संस्था अध्यक्ष द्वारा बताया गया।

1 मुरैना, भिंण्ड और श्योपुर में 1,05,276.402 हेक्टेयर भूमि बीहड़ में परिवर्तित हो चुकी है। जिसमें गुग्गुल, ग्वारपाटा गिलोह, सतावर, इन्नी (अगनीमंथ), वांस, प्रोजेक्ट के तहत लगाये जाऐं जिससे गरीवों की आजीविका चले। ऐसा हमारा सुझाव है।

कृषि भूमि को बचाने के लिए इस बर्ष सुजाग्रति समाज सेवी संस्था द्वारा ग्राम मसूदपुर में 1500मी0 डौरबन्दी कराई गई है। व ग्राम विण्डवा चम्बल में पिछले बर्ष 15,00मी0 डोरबन्दी व 10 पक्की जल निकास नालियां तथा दो स्टॉपडैम सुजाग्रति समाज सेवी संस्था द्वारा जैफ/एस.जी.पी. परियोजना के तहत् जन सहयोग से बनाये गये हैं। इसे देखकर किसान खुद भी इस कार्य को करने लगे हैं। जिससे 336 हेक्टयर उपजाऊ भूमि बीहड़ कटाव से बची। तथा भूमी कटाव एंव जल संरक्षण के लिए ये वरदान साबित होगें।

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था द्वारा गुग्गुल का अस्तित्व बचाने और इसे आजीविका का साधन वनाने हेतु इस बर्षाकाल में 10,000 गुग्गुल के पौधा रोपण किया गया। तथा 10,000 गुग्गुल के पौधे जो कि प्राकृतिक रूप से वीहड़ में हैं उनका संरक्षण जैव विविधता प्रंबधन समितियों द्वारा कैसे हो रहा है यह भी बच्चों को दिखाया व समझाया गया।

गुग्गुल सतावर, चनयी, चपरा आदि लघुवनोंपजों का संस्था द्वारा संरक्षण एंव संबर्धन किया गया जो देखा इनके द्वारा कैसे गरीब लोग अपनी आजिविका चला रहे हैं यह भी बच्चों द्वारा समझा व अनउपयोगी बीहणी भूमी का कैसे सद्उपयोग किया जाये ये भी जाना। तथा छात्रों द्वारा ग्रामों में वृक्षा रोपण कार्य भी किया।

ग्राम पिपरई में जानकारी लेने हेतु प्रस्थान करते हुए छात्र।

ग्राम पिपरई में ग्रामीण अनुभव लेते हुए एंव वृक्षा रोपण करते हुए छात्र।

बाबा देवपुरी पर वृक्षा रोपण करते हुए।

अध्यक्ष
सुजाग्रति समाज सेवी
संस्था मुरैना म0 प्र0